Name: _____ Date: _____

सूरदास के पद

प्रश्न-1 दूसरे पद को पढ़कर बताइए कि आपके अनुसार उस समय श्रीकृष्ण की उम्र क्या रही होगी?

उत्तर _____

_____

प्रश्न-2 बालक श्रीकृष्ण किस लोभ के कारण दूध पीने के लिए तैयार हुए?

उत्तर _____

_____

_____

प्रश्न-3 श्रीकृष्ण अपनी चोटी के विषय में क्या-क्या सोच रहे थे?

उत्तर _____

_____

_____

प्रश्न-4 'तैं ही पूत अनोखौ जायौ' - पंक्तियों में ग्वालन के मन के कौन-से भाव मुखरित हो रहे हैं?

उत्तर _____

_____

_____

https://educationwithfun.com

सूरदास के पद

प्रश्न-1 दूसरे पद को पढ़कर बताइए कि आपके अनुसार उस समय श्रीकृष्ण की उम्र क्या रही होगी?

उत्तर दूसरे पद को पढ़कर लगता है कि उस समय श्रीकृष्ण की उम्र सात - आठ वर्ष रही होगी।

प्रश्न-2 बालक श्रीकृष्ण किस लोभ के कारण दूध पीने के लिए तैयार हुए?

उत्तर बालक श्रीकृष्ण इस लोभ के कारण दूध पीने के लिए तैयार हुए कि उनके बालों की चोटी भी बलराम भाई की चोटी के समान लंबी और मोटी हो जाएगी। उनकी चोटी भी नागिन की समान लोटती दिखाई देगी।

प्रश्न-3 श्रीकृष्ण अपनी चोटी के विषय में क्या-क्या सोच रहे थे?

उत्तर श्रीकृष्ण अपनी चोटी के विषय में सोच रहे थे कि इतने समय से वह दूध पी रहे हैं फिर भी उनकी चोटी छोटी है, कब उनकी चोटी बलराम भैया की तरह लंबी और मोटी होगी? कब उनकी चोटी नागिन की तरह लहराने लगेगी?

प्रश्न-4 'तैं ही पूत अनोखौ जायौ' - पंक्तियों में ग्वालन के मन के कौन-से भाव मुखरित हो रहे हैं?

उत्तर यहाँ पर ग्वालन के हृदय में यशोदा के लिए क्रोध के भाव मुखरित हो रहे हैं। ग्वालिन माँ यशोदा को उलाहना देते हुए कहती हैं कि उनका पुत्र अनोखा है कि मना करने पर भी चोरी करता है और पकड़े जाने पर अपनी गलती नहीं मानता।

https://educationwithfun.com